AMAR UJALA MY CITY Page 6

## जैव विविधता में 7 फीसदी हिस्सा भारत का

### राज्यपाल ने किया लखनऊ विवि के ई-सिम्पोजियम का उद्घाटन

माई सिटी रिपोर्टर

ई-सिम्पोजियम को संबोधित करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल।

लखनऊ। पूरी दुनिया की जैव विविधता में भारत की सात प्रतिशत भागीदारी है। भारत का इतिहास और संस्कृति दोनों जैव विविधता के महत्व को समझते हैं। अथर्ववेद में भी औषधियों का उल्लेख है। यह बात राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को लखनऊ विवि के ई-सिम्पोजियम के उद्घाटन पर कही। सिम्पोजियम का विषय 'हमारे समाधान प्रकृति में', था। इस मौके पर राज्यपाल ने महिला सामुदायिक प्रसाधन केंद्र का विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों में शिलान्यास किया।

विश्वविद्यालय के न्यूजलेटर 'द कोरस' के इंटरैक्टिव 'स्पेशल कोविद 19' अंक का विमोचन और लखनऊ के पहले बायोडायवर्सिटी इंडेक्स का लोकार्पण भी किया। राज्यपाल ने आगे कहा कि जैव विविधता के लिए पेड़ और औषधियां लगाना हमारी जिम्मेदारी है। महामहिम ने शोधकर्ताओं से आग्रह किया कि जैव विविधता के लिये विश्वविद्यालय और पूरे शहर को नई शुरुआत करनी चाहिए। साथ ही लखनऊ विश्वविद्यालय से यह आग्रह भी किया कि राजभवन के जैव विविधता का भी एक सूचकांक तैयार करें और बताएं कि राजभवन में क्या करें जिससे प्रकृति में सुधार लाया जा सके। इससे पहले कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बीते पांच महीने और खासकर कोरोना वायरस की वजह से हुए लॉकडाउन के दौरान विश्वविद्यालय के कामों के बारे में बताया। इस अंतरराष्ट्रीय ई-सिम्पोसियम में जापान, दक्षिण अफ्रीका, युएई समेत विभिन्न देशों से आमंत्रित वक्ता मौजूद थे।

इसमें डॉ. शकील अहमद, प्रो. रुबेन यूसफ़, रैनो केम्प, डॉ. केरी क्रिगर, प्रो. सिल्विया तुरॅल, प्रो. हावीयेर एलेना, जेम्स चीजमन और प्रो. युकिहिरो औजाकि के नाम भी शामिल हैं। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के औपचारिक यूट्यूब चैनल पर लाइव स्ट्रीम के माध्यम से दोपहर 12 बजे से प्रसारित हुआ।

### इटली से हिंदी पढ़ने आएगी छात्रा, स्पेन वाले करेंगे एमसीए

लखनऊ। लविवि में इस साल विदेशी विद्यार्थियों के अब तक रिकॉर्ड 150 से ज्यादा आवेदन आ चुके हैं। एशिया और अफ्रीका के साथ ही इस साल इटली और स्पेन जैसे यूरोपीय देश से भी स्टूडेंट्स आ रहे हैं। विवि के विदेशी विद्यार्थी समन्वयक प्रो. आरिफ अयूबी ने बताया कि अभी तक अधिकतम 100 विदेशी विद्यार्थी ही यहां अध्ययन के लिए आते थे। इस साल अब तक 150 के करीब आवेदन फॉर्म आ चुके हैं। इनमें इटली से एक छात्रा हिंदी में दाखिला चाहती है। स्पेन का छात्र एमसीए में दाखिला चाहता है। पढ़ाई के लिए विद्यार्थियों को आईसीसीआर के माध्यम से आवेदन करना होता है। उनकी पढ़ाई का खर्च संबंधित देश की सरकार वहन करती है।

### संजय मेधावी बने सीपीसी के डीन

लखनऊ। लखनऊ विवि में प्रशासनिक फेरबदल का सिलसिला जारी है। शुक्रवार को एक और प्रशासनिक बदलाव के तहत संजय मेधावी को कॉर्डस्लिंग एंड प्लेसमेंट सेल का नया निदेशक नियुक्त किया गया है। संजय मेधावी को यह जिम्मेदारी प्रो. मधुरिमा लाल के स्थान पर दी गई है। प्रो. मधुरिमा लाल पिछले तीन साल से यह जिम्मेदारी निभा रही थीं।

NBT Page 4

## 'दुनिया की जैव विविधिता में 7% है भारत की भागीदारी'

■ एनबीटी, लखनऊः 'भारत 17 उच्चकोटि के जैव विविधता वाले देशों में एक है। पूरे विश्व की जैव विविधता में इसकी 7% भागीदारी है।' यह बात राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर एलयू और जैव विविधता बोर्ड उप्र की ओर से हुई ई-संगोष्ठी में कही। राज्यपाल ने राजभवन से एलयू परिसर में बने महिला सामुदायिक प्रसाधन केंद्र का ई-शिलान्यास किया। साथ ही एलयू द्वारा प्रकाशित न्यूजलेटर (द कोरस) और लखनऊ शहर के जैव विविधता सूचकांक (इंडेक्स) का लोकार्पण भी किया। इस मौके पर एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय और कई देशों विशेषज्ञ भी ऑनलाइन मौजूद रहे।

> एलयू और जैव विविधता बोर्ड उप्र की ओर से हुई ई-संगोष्ठी में शामिल हुईं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल

HINDUSTAN Page 2

## जैव विविधता से पर्यावरण सुधरेगा:राज्यपाल

राज्य मुख्यालय | प्रमुख संवाददाता

शुक्रवार को जैव विविधता पर गोष्ठी को ऑनलाइन संबोधित करतीं राज्यपाल आनंदी बेन।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि हम सबको मिलकर जैव विविधता के प्रयोग को बढ़ावा देना चाहिए और अधिक से अधिक वन, बगीचे, औषधीय पौधों को लगाना चाहिए। इससे हमारे आसपास के जैव विविधता में बढ़ोत्तरी होगी और पर्यावरण की गुणवत्ता में भी सुधार होगा।

वह शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर आयोजित ई-संगोष्ठी में बोल रही थीं। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय एवं जैव विविधता बोर्ड उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस ई-संगोष्ठी का राजभवन से ही उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि जैव विविधता से हमारी पारिस्थितिकीय तंत्र का निर्माण होता है, जो एक-दूसरे के जीवन यापन में सहायक होते हैं। जैव विविधता पृथ्वी पर पाई जाने वाली जीवों की विभिन्न प्रजातियों को कहा जाता है।

भारत अपनी जैव विविधता के लिए विश्व विख्यात है। भारत 17 उच्चकोटि के जैव विविधता वाले देशों में से एक है तथा पूरे विश्व की जैव विविधता में भारत की 7 प्रतिशत भागीदारी है। राज्यपाल ने कहा कि भारत की भौगोलिक स्थिति देशवासियों को विभिन्न प्रकार के मौसम प्रदान करती है। भारत में 17 कृषि जलवायु जोन हैं, जिनसे अनेक प्रकार के खाद्य पदार्थ प्राप्त होते हैं।

### ई-शिलान्यास किया

इससे पहले राज्यपाल ने राजभवन से ही लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में महिला सामुदायिक प्रसाधन केन्द्र का ई-शिलान्यास किया। साथ ही लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित न्यूजलेटर (द कोरस) तथा लखनऊ शहर के जैव विविधता सूचकांक (इण्डेक्स) का लोकार्पण भी किया। इस मौके पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय सहित आबूधाबी, इजराइल, साउथ अफ्रीका, यूएसए, फ्रांस, जापान और ब्राजील जैसे 8 देशों के विषय विशेषज्ञ भी आनलाइन मौजूद थे।

DAINIK JAGRAN Page 4

## 'प्रकृति में ही है हर समस्या का समाधान'

### लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रयास से पहला बायोडायवर्सिटी इंडेक्स जारी, राज्यपाल ने जैव विविधता का सूचकांक तैयार करने को कहा

जासं, लखनऊ : भारत का इतिहास और संस्कृति दोनों जैव विविधता के महत्व को समझते रहे हैं। यहां तक कि अथर्ववेद में विभिन्न औषधियों का उल्लेख भी है। हमें जैव विविधता को बढ़ावा देने के लिए अधिक से अधिक पेड़ और औषधियां लगाना चाहिए, यह कहना था राज्यपाल/कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल का।

राज्यपाल आनंदी बेन

शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय ई-सिम्पोसिया का आयोजन किया गया। इस अवसर मुख्यअतिथि कुलाधिपति आनंदीबेन ने विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों में महिला सामुदायिक प्रसाधन केंद्र का शिलान्यास, विश्वविद्यालय के न्यूजलेटर 'द कोरस' के इंटरैक्टिव स्पेशल कोविड-19 अंक का विमोचन, लखनऊ का सबसे पहला बायोडायवर्सिटी इंडेक्स जारी किया। राज्यपाल ने लविवि से राजभवन के जैव विविधता का भी एक सूचकांक तैयार करने के लिए कहा। साथ ही यह भी बताने के लिए कहा कि राजभवन में क्या करने की जरूरत है, ताकि प्रकृति में सुधार लाया जा सके।

**सीबीएस प्रोग्राम किया तैयार :** लखनऊ विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि विवि ने दस फीचर्स वाला देश का पहला सीबीसीएस प्रोग्राम तैयार किया है। साथ ही अपना कार्बन-फूट प्रिंट मापने व शहर के बायोडायवर्सिटी इंडेक्स की गणना करने वाला पहला विवि बना है। विश्वविद्यालय ने अपना पीएचडी आर्डिनेंस बना चुका है और अगले अकादमिक काउंसिल की मीटिंग होते ही यह लागू किया जाएगा। पुअर ब्यांयज फंड का नाम बदलकर स्टूडेंट वेलफेयर फंड किया गया है।

**सूचकांक में सुधार की जरूरत :** कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय कंडक्ट इन क्लासेज, कनेक्ट विद स्टूडेंटस और कंटेंट क्रिएशन मॉडल पर ई-कक्षाएं चला रहा है। इंस्टीट्यूट ऑफ वाइल्ड लाइफ सांइस की निदेशक एवं जीव विज्ञान विभाग की प्रो. अमिता कनौजिया ने बताया कि लखनऊ का बॉयोडायवर्सिटी इंडेक्स 26 में से 16 पैमामेटर्स के आधार पर निकाला गया है। लखनऊ का सूचकांक 92 में 30 है। इसमें और सुधार की जरूरत है। सिम्पोसिया में जापान, दक्षिण अफ्रीका, युएई समेत विभिन्न देशों से वक्ता शामिल हुए।

THE PIONEER Page 3

## Foundation laid for girls' community washroom at LU

PNS ■ LUCKNOW

Various programmes and projects of Lucknow University were launched on Friday. Governor Anandiben Patel marked her presence at the launch via e-conferencing. The programmes included remote-laying of the foundation stone for Girls' Community Washroom, release of first Covid-19 special interactive issue of the university newsletter, release of the first-ever biodiversity index of Lucknow and inaugural of international e-symposia, organised on the occasion of International Day of Biological Diversity

Speakers from US, Japan, France, Brazil, UAE etc, who delivered lectures at the international e-symposia from several countries, were also present at the inaugural function. The event was streamed live on the official YouTube channel of the university. The Governor laid the foundation stone of the Girls' Community Toilet for which she herself has given a grant of Rs 10 lakh.

"India is one of the 70 nations with the richest biodiversity and we, in fact, contribute 7% to the world biodiversity. India's past and its culture understands the importance of biodiversity. Atharvaveda talks about several plants and herbs essential for human health and survival. The international symposia's theme, 'Our solutions are in nature', is extremely relevant and it is our duty to do whatever we can do help improve our biological diversity," she said. She asked the researchers present in the event to think how they can contribute to a greener city. She also floated the idea that a similar biodiversity index of Raj Bhavan could also be made so that it was clear what could be done to contribute towards a greener world.

Vice-Chancellor AK Rai said Lucknow University is the first university in the country to start a unique 10-featured CBCS programme and would become the first in the country to assess its carbon footprint. "LU is the first university in the country to calculate a city's biodiversity index. LU is also starting new programmes and schemes for the students. It has already started the student OPD (our pupils' day) and TREE (teaching, reaching, emboldening and evaluating) initiatives, and will soon be beginning the scholarship scheme of 'Chhatra Kalyan' and earn-while-you-learn scheme 'Karma Yogi' under the Poor Boys' Fund which has been renamed as 'Student Welfare Fund'.

RASHTRIYA SAHARA Page 7

## जैव विविधता से पारिस्थितिकीय तंत्र का होता है निर्माण

लखनऊ (एसएनबी)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीवेन पटेल ने शुक्रवार को कहा कि जैव विविधता से हमारी पारिस्थितिकीय तंत्र का निर्माण होता है, जो एक-दूसरे के जीवन यापन में सहायक होते हैं। श्रीमती पटेल यहां राजभवन से अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर लखनऊ विश्वविद्यालय एवं जैव विविधता वोर्ड उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ई-संगोष्ठी 'हमारा समाधान प्रकृति में हैं' का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि जैव विविधता पृथ्वी पर पाई जाने वाली जीवों की विभिन्न प्रजातियों को कहा जाता है। भारत अपनी जैव विविधता के लिए विश्व विख्यात है। उन्होंने कहा कि भारत 17 उच्चकोटि के जैव विविधता वाले देशों में से एक है तथा पूरे विश्व की जैव विविधता में भारत की 7 प्रतिशत भागीदारी है।

राज्यपाल ने कहा कि भारत की भौगोलिक स्थिति देशवासियों को विभिन्न प्रकार के मौसम प्रदान करती है। भारत में 17 कृषि जलवायु जोन हैं, जिनसे अनेक प्रकार के खाद्य पदार्थ प्राप्त होते हैं। देश के जंगलों में विभिन्न प्रकार के नभचर, थलचर व उभयचर प्रवास करते हैं। प्रकृति मनुष्य एवं जीव जन्तुओं के जीवन के प्रारम्भ से अंत तक के लिये खानेप्पीने, रहने आदि सभी की व्यवस्था उपलब्ध कराती है। मनुष्य खेती कर भूमि से अपने भोजन के लिए अन्न एवं सब्जियां उगाता है तथा अस्वस्थ होने पर प्रकृति प्रदत्त औषधियों से उपचार करता है।

AMRIT VICHAR Page 3

## अपनी जैव विविधता के लिए विश्व विख्यात है भारत : आनंदीबेन पटेल

### लविवि व जैव विविधता बोर्ड की ओर से आयोजित ई-संगोष्ठी का किया उद्घाटन

अमृत विचार लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को कहा कि जैव विविधता से हमारी पारिस्थितिकीय तंत्र का निर्माण होता है, जो एक-दूसरे के जीवन यापन में सहायक होते हैं।

श्रीमती पटेल ने शुक्रवार राजभवन से अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर लखनऊ विश्वविद्यालय एवं जैव विविधता बोर्ड उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ई-संगोष्ठी 'हमारा समाधान प्रकृति में हैं' का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि जैव विविधता पृथ्वी पर पाई जाने वाली जीवों की विभिन्न प्रजातियों को कहा जाता है। भारत अपनी जैव विविधता के लिए विश्व विख्यात है। उन्होंने कहा कि भारत 17 उच्चकोटि के जैव विविधता वाले देशों में से एक है तथा पूरे विश्व की जैव विविधता में भारत की 7 प्रतिशत भागीदारी है।

राज्यपाल ने कहा कि भारत की भौगोलिक स्थिति देशवासियों को विभिन्न प्रकार के मौसम प्रदान करती है। भारत में 17 कृषि जलवायु जोन हैं, जिनसे अनेक प्रकार के खाद्य पदार्थ प्राप्त होते हैं। देश के जंगलों में विभिन्न प्रकार के नभचर, थलचर एवं उभयचर प्रवास करते हैं। इनमें रहने वाले पक्षी, कीट एवं जीव जैव विविधता को बढ़ाने में सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा देश वैदिक काल से ही अपनी औषधीय विविधता के लिए प्रसिद्ध रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कोविड-19 से बचाव के लिए क्लोरोक्विन दवा का प्रयोग कई देशों द्वारा किया जा रहा है। इसका सबसे ज्यादा उत्पादन एवं निर्यात भारत द्वारा पूरे विश्व में किया जा रहा है। इस दवा का प्रयोग मलेरिया बीमारी के लिए होता है। यह चिनकोना पेड़ से प्राप्त होता है। इससे पहले उन्होंने राजभवन से ही लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में महिला सामुदायिक प्रसाधन केन्द्र का ई-शिलान्यास किया और विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित न्यूजलेटर (द कोरस) तथा लखनऊ शहर के जैव विविधता सूचकांक (इण्डेक्स) का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 आलोक कुमार राय सहित आबूधाबी, इजराइल, साउथ अफ्रीका, यूएसए, फ्रांस, जापान और ब्राजील जैसे आठ देशों के विषय विशेषज्ञ भी ऑनलाइन उपस्थित थे।

JANSANDESH TIMES Page 3

## जैव विविधता में बढ़ोत्तरी होगी तो सुधरेगा पर्यावरण : आनंदी बेन

जनसंदेश न्यूज

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि हम सबको मिलकर जैव विविधता के प्रयोग को बढ़ावा देना चाहिए और अधिक से अधिक वन, बगीचे, औषधीय पौधों को लगाना चाहिए। इससे हमारे आसपास के जैव विविधता में बढ़ोत्तरी होगी और पर्यावरण की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। वह शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर आयोजित ई-संगोष्ठी में बोल रही थीं। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय एवं जैव विविधता बोर्ड उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस ई-संगोष्ठी का राजभवन से ही उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि जैव विविधता से हमारी पारिस्थितिकीय तंत्र का निर्माण होता है, जो एक-दूसरे के जीवन यापन में सहायक होते हैं। जैव विविधता पृथ्वी पर पाई जाने वाली जीवों की विभिन्न प्रजातियों को कहा जाता है। भारत अपनी जैव विविधता के लिए विश्व विख्यात है। भारत 17 उच्चकोटि के जैव विविधता वाले देशों में से एक है तथा पूरे विश्व की जैव विविधता में भारत की 7 प्रतिशत भागीदारी है। राज्यपाल ने कहा कि भारत की भौगोलिक स्थिति देशवासियों को विभिन्न प्रकार के मौसम प्रदान करती है। भारत में 17 कृषि जलवायु जोन हैं, जिनसे अनेक प्रकार के खाद्य पदार्थ प्राप्त होते हैं। ई-शिलान्यास भी कियाइससे पहले राज्यपाल ने राजभवन से ही लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में महिला सामुदायिक प्रसाधन केन्द्र का ई-शिलान्यास किया। साथ ही लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित न्यूजलेटर (द कोरस) तथा लखनऊ शहर के जैव विविधता सूचकांक (इण्डेक्स) का लोकार्पण भी किया। इस मौके पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय सहित आबूधाबी, इजराइल, साउथ अफ्रीका, यूएसए, फ्रांस, जापान और ब्राजील जैसे 8 देशों के विषय विशेषज्ञ भी आनलाइन मौजूद थे।

PIONEER Page 4

## जैव विविधता के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाए

● अधिक से अधिक बगीचे, औषधीय पौधे लगाएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को राजभवन से अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर लखनऊ विश्वविद्यालय एवं जैव विविधता बोर्ड उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ई.संगोष्ठी हमारा समाधान प्रकृति में हैं का उद्घाटन किया। अपने सम्बोधन में राज्यपाल ने कहा कि जैव विविधता से हमारी पारिस्थितिकीय तंत्र का निर्माण होता है, जो एक दूसरे के जीवन यापन में सहायक होते हैं। जैव विविधता पृथ्वी पर पाई जाने वाली जीवों की विभिन्न प्रजातियों को कहा जाता है। भारत अपनी जैव विविधता के लिए विश्व विख्यात है।

राज्यपाल ने कहा कि भारत 17 उच्चकोटि के जैव विविधता वाले देशों में से एक है तथा पूरे विश्व की जैव विविधता में भारत की 7 प्रतिशत भागीदारी है। भारत की भौगोलिक स्थिति देशवासियों को विभिन्न प्रकार के मौसम प्रदान करती है। भारत में 17 कृषि जलवायु जोन हैं, जिनसे अनेक प्रकार के खाद्य पदार्थ प्राप्त होते हैं। देश के जंगलों में विभिन्न प्रकार के नभचर, थलचर व उभयचर प्रवास करते हैं। इनमें रहने वाले पक्षी, कीट एवं जीव जैव विविधता को बढ़ाने में सहायक होते हैं। प्रकृति मनुष्य एवं जीव जन्तुओं के जीवन के प्रारम्भ से अंत तक के लिये खाने पीने, रहने आदि सभी की व्यवस्था उपलब्ध कराती है। मनुष्य खेती कर भूमि से अपने भोजन हेतु अन्न एवं सब्जियां उगाता है तथा अस्वस्थ होने पर प्रकृति प्रदत औषधियों से उपचार करता है। पटेल ने कहा कि हमारा देश वैदिक काल से ही अपनी औषधीय विविधता के लिए प्रसिद्ध रहा है। अथर्ववेद में औषधीय पौधे एवं उनके प्रयोग का उल्लेख मिलता है। इसी तरह रामायण में भी बरगद, पीपल, अशोक, बेल एवं आंवले का उल्लेख मिलता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कोविड.19 से बचाव हेतु क्लोरोक्विन दवा का प्रयोग कई देशों द्वारा किया जा रहा है। इसका सबसे ज्यादा उत्पादन एवं निर्यात भारत द्वारा पूरे विश्व में किया जा रहा है। इस दवा का प्रयोग मलेरिया बीमारी के लिए होता है। यह चिनकोना पेड़ से प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि हम सबको मिलकर जैव विविधता के प्रयोग को बढ़ावा देना चाहिए और अधिक से अधिक वन, बगीचे,औषधीय पौधे एवं वृक्षों को लगाना चाहिए। इससे हमारे आस-पास के जैव विविधता में बढ़ोत्तरी होगी और पर्यावरण की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। इससे पहले राज्यपाल ने राजभवन से ही लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में महिला सामुदायिक प्रसाधन केन्द्र का ई.शिलान्यास किया और लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित न्यूजलेटर तथा लखनऊ शहर के जैव विविधता सूचकांक का लोकार्पण भी किया।

### रिजर्वेशन कोटे के तहत एडमिशन लेने वाले छात्रों को मिली छूट

आवेदन के बाद स्टूडेंट्स जमा कर सकते हैं सर्टिफिकेट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना महामारी के चलते इस बार लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने आगामी सत्र में रिजर्वेशन कोटे के तहत एडमिशन लेने वाले छात्रों को सर्टिफिकेट जमा करने से छूट दे दी है। अब छात्र आवेदन के बाद कोटे के लिए सर्टिफिकेट जमा कर सकेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफसे इस बार दाखिले में आवेदन करने के दौरान स्टूडेंट को रिजर्वेशन कोटा के लिए छोड़ दी गई है आवेदन के दौरान स्टूडेंट्स रिजर्वेशन कोटि का क्लिक करते हुए बाद में विश्वविद्यालय को सर्टिफिकेट उपलब्ध करा सकते हैं। यह निर्णय लॉक डाउन को देखते हुए लिया गया है। निश्चित तौर पर विश्वविद्यालय के इस निर्णय से हजारों की संख्या में छात्रों को राहत मिलेगी। स्टूडेंट अब चिंता मुक्त होकर फॉर्म भर सकते हैं।

TOI Page 2

## Better toilet facility for LU girls soon

TIMES NEWS NETWORK

**Lucknow:** Girl students of Lucknow University will soon have access to 'home-like washrooms' where proper hygiene will be maintained.

These washrooms will provide the students facilities like changing rooms and sanitary pad vending machines. The foundation stone of two such community toilets was digitally laid by governor Anandiben Patel, who is also the chancellor of all state universities, on Friday.

The two toilets will provide relief to 9,243 girl students at LU for whom only three small toilets are available on the campus.

LU spokesman Durgesh Srivastava said, "These two toilets will be bigger in size and can be used by a number of students at a given time. It is being constructed with the help of Rs 10 lakh fund granted to the university by the governor."

The governor also inaugurated an international e-seminar on biodiversity on the occasion of International Day of Biological Diversity.

Biodiversity experts from various countries including the United States, Japan, France, Brazil and UAE delivered online lectures during the seminar.

The university's Covid-19 special interactive newsletter issue, 'The Chorus', and the Lucknow's biodiversity index which has information about forest and freshwater ecosystem in the city were also released on the occasion.

## LU to offer easy to fill admission forms this year

TIMES NEWS NETWORK

**Lucknow:** Candidates applying for admission to undergraduate and postgraduate courses of Lucknow University need not worry about uploading some of the documents required at the time of filling the form.

Following the lockdown, the university has relaxed rules for uploading some documents, including caste certificate number and EWS certificate number, at the time of filing the admission forms.

The university has also extended the date for submission of applications to around 3,500 UG seats and 4,500 PG seats till June 13.

"We have allowed students to fill the form with their basic details. They can present documents at the time of admission," said LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai.

i-NEXT Page 2 & 4

### सकारात्मक चिंतन बढ़ाने का संदेश

कोरोना से मनोवैज्ञानिक, आर्थिक एवं शैक्षिक चुनौतियों से निपटने के लिए डब्ल्यूएचओ एवं सरकार ने अनेक संदेश जारी किए है. जिससे लोगों के जीवन को खुशहाल बनाया जा सके. सकारात्मक मनोविज्ञान लोगों को सामर्थ्य एवं सकारात्मक चिंतन बढ़ाने का संदेश देता है. यह संदेश भगवद्गीता में है. जिसे 5000 वर्ष पूर्व भगवान कृष्ण ने अर्जुन को दिया था. हमें इसका ध्यान रखना चाहिए.

प्रो. मधुरिमा प्रधान, एचओडी मनोविज्ञान, एलयू

## जैव विविधता बढ़ेगी तो सुधरेगा पर्यावरण

### अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर ई-संगोष्ठी

lucknow@inext.co.in

**LUCKNOW (22 May):** अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर शुक्रवार को एलयू में ई-संगोष्ठी का आयोजन किया गया. जिसका शुभारंभ गवर्नर आनंदीबेन पटेल ने राजभवन से किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि हमें जैव विविधता के प्रयोग को बढ़ावा देना चाहिए, इससे पर्यावरण में भी सुधार होगा. गवर्नर ने राजभवन से ही एलयू कैंपस में महिला सामुदायिक प्रसाधन केंद्र का ई-शिलान्यास किया. इस मौके पर लखनऊ यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. आलोक कुमार राय सहित आबूधाबी, इजराइल, साउथ अफ्रीका, यूएसए, फ्रांस, जापान और ब्राजील जैसे 8 देशों के विशेषज्ञ भी ऑनलाइन मौजूद रहे.